

जालंधर कोर्ट से नशा तस्कर फरार

जालंधर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। जालंधर के कोर्ट परिसर में उस समय हड्डकंप मच गया जब एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार पर एक नशा तस्कर आरोपी पेशी के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। घटना थाना बारादरी क्षेत्र की है, जहां लम्पा पिंड चौक निवासी रिप्पित मितरा को पेशी के लिए लाया गया था। आरोपी को एसआईलवायिंदर सिंह और महिला बोले बल संदीप कौर अदालत में पेशी के बाद वापस थाने में रहे थे, तभी उसने दोनों को धक्का देकर द्वारा छुड़वाया और कोर्ट परिसर से भाग निकला। पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह फरार होने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार, रिप्पित मितरा को करतारपुर पुलिस ने 14 सितंबर को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था, और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पेशी चौक मजिस्ट्रेट एक मात्र की अदालत में ही रही थी। थाना बारादरी के प्रधारी रविंदर कुमार ने बताया कि फरार आरोपी की तलाश के लिए छापेमारी की जा रही है और पुलिस जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लेगी।

अमेरिकी महिला की हत्या

मिसिंग की शिकायत देने वाला ही आरोपी

जुलाई में मासकर शव किया था खुदवर्दु

लुधियाना, 17 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की एनआरआई महिला रूपरेतर कोर्ट पंथर (71) की गला दबा कर हत्या कर दी गई और शव को खुर्द खुर्द कर दिया गया। वारदात को अंजाम देसी व्यक्ति ने जिसके पास रविंदर कोर्ट पंथर अमेरिकी से आकर रहती थी। आरोपी ही उसके केसों की पैरवाई भी रहती था। वारदात जुलाई की बात ही रही है। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने पुलिस को गुम्हार करने के लिए एक प्रियंग रिपोर्ट दर्ज करवा दी। थाना डेहलों की पुलिस ने आस्त में 346 के तहत मामला दर्ज कर अंगी को रक्तर्वाप खुल कर दी। पुलिस को सूचना मिली कि रविंदर कोर्ट पंथर की हत्या हो चुकी है। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में तह तक जंच की तो सारे खुलासे हुए। आरोपी ने कबूल कर लिया कि उसने इस हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। उसने महिला के साथ रिलेशन में रहने वाले इंग्लैंड निवासी चरणजीत सिंह के कहने पर की है। पुलिस ने इस मामले में सुखीजीत सिंह उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चरणजीत सिंह को नामजद कर लिया है।

हाय में आएंगे चोरी हुए महंगे फोन, दिल्ली

पुलिस ने बरामद किए 6000 मोबाइल

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर से जिपेटे और चोरी के 6000 मोबाइल पुलिस ने बरामद किए गए हैं। बताया गया कि इनमें 1500 मोबाइल के मालिकों को फहान कर ली गई है। करीब 400 मोबाइल आज संविधित मालिकों को उपराज्यपाल वाके सक्सेस पुलिस मुख्यालय में वितरित करेंगे। इसके लिए पुलिस मुख्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। बाकी 1100 मोबाइल संविधित जिले के डीसीपी अपने अपने जिले में लोगों के लिए वितरित करेंगे। शेष मोबाइल के मालिकों के बारे में पता लाया जा रहा है। इसके बाद उन्नाने लाए आई आर आर की जंच की जारी है। पहचान हो जाने के बाद संविधित मालिकों उनके मोबाइल लौटा दिए जाएंगे।

पैसों के लिए इकलौते बेटे

ने कर दी मां की हत्या

गुनाह छिपाने के लिए स्वी ऐसी साजिश

कि पुलिस को भी उलझा दिया

हमीरपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर के बेटे ने पैसों के लिए मां को मौत के घाट उतार दिया। आरोपित मां से पैसे मांग रहा था, इस पर दोनों में विवाद हुआ। पैसे न देने पर इकलौते बेटे ने मां के सिर पर कपड़ों की प्रेस से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाकी 48 वर्षीय सोमलता और उसका 24 वर्षीय बेटा ही गंभीर पर थे। बताया जा रहा है कि आरोपित ने खाना खाते बक्त अपनी जांच के लिए पर वार कर हत्या की। इसके बाद अपना गुनाह छिपाने के लिए ऐसी साजिश रची कि पुलिस की भी उलझा कर दिया। बाद उसने दरवाजा बंद कर दिया और खुद भी बेहोश होने का नाटक किया। उसने लोगों को बताया कि यहां ऊँचे रुंगताल के लिए उपर चक्की जारी किया है। पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में उलझ गई व ऐसी ही हमीरपुर ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस उसकी बातों के लिए बारह रुपयोग ने अलग-अलग टीमें में पहुंचकर सुखरुप भगत सिंह ठाकुर के दौरान रहा।

पुलिस

बिहार में 'मुफ्त' की राजनीति

बिहार में अगले कुछ दिनों में विधानसभा चुनाव की घोषणा की जा सकती है। आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया ब्लॉक के बीच ही है, लेकिन पीके यानी प्रशांत किशोर त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में जुटे हैं। चुनाव से पहले जिस तरह से सीएम नीतीश कुमार ने लोक-तुभावन घोषणाएं की वह उनकी पार्टी और उनके गठबंधन एनडीए के लिए काफी मुफीद साबित हो सकता है। इसमें मुफ्त बिजली, कई विभागों में बढ़ा हुआ मानदेव और पेंशन में वृद्धि की घोषणाएं भी शामिल हैं। इसलिए नीतीश कुमार की राजनीति पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार अहम है। चुनाव की घोषणा से पहले सरकार कुछ और तोहफे देने की तैयारी में है। अबतक वे चुनाव से पहले आपाधापी में ऐसी घोषणाएं करने से बचते रहे हैं। लेकिन इस बार विपक्षी नैरेटिव को कमजोर करने के लिए वे घोषणाएं करने में कोई चूक नहीं कर रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल राजद नेता तेजस्वी यादव की अगुआई में इंडिया ब्लॉक रोजगार को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश में है। विपक्ष को लगता है कि अगर उनके कूरा वोट के अलावा युवाओं का साथ मिल गया तो एनडीए को हराना मुश्किल नहीं होगा। 2020 विधानसभा चुनाव परिणाम उनमें उम्मीदें भर रहा है। तब तेजस्वी यादव ने 10 लाख नौकरी के बादे की बदौलत अकेले दम पर एनडीए को हार के कगार पर ला दिया था। अब तेजस्वी यादव को लग रहा है कि इंटी सीएम रहने के दौरान उन्होंने जो नौकरियां दी हैं, उससे उनके बादे पर लोग भरोसा करेंगे। पिछले दिनों में पूरे बिहार में रोजगार को लेकर युवाओं का विरोध-प्रदर्शन होता रहा है। इसलिए नीतीश कुमार इंडिया ब्लॉक के इसी बार की काट चाहते हैं। उनके रणनीतिकारों को लगता है कि जिस तरह हाल ही में एक के बाद लाभ दिए गए, उससे रोजगार को लेकर उपजी नाराजगी को कम किया जा सकेगा। नीतीश सरकार की ज्यादातर घोषणाएं उनके कोर बोटर, खासकर महिलाओं और गरीब-अति पिछड़ा को लाभ दे रही हैं। मतलब साफ है कि नीतीश कुमार और

एनडाए बहुत नया करने का राजनीतिक जाखिम नहा लेना चाहत। उनकी पूरी कोशिश है कि अब तक आजमाए और स्थापित वोटबैंक को अपने साथ बनाए रखा जाए। अगर वे कोर वोटबैंक को बचाए रखते हैं, तो उनके जीत जीत का रस्ता आसान हो जाएगा। एनडीए को पता है कि 20 सालों के शासन के बाद यदि इस वोटबैंक के बीच भी सत्ता विरोधी लहर रही तो प्रतिकूल परिणाम हो सकते थे। इसलिए नीतीश कुमार अंतिम समय में मुफ्त बिजली, अधिक पेंशन, बढ़ा मानदेय जैसे ताबड़तोड़ फैसले लेकर इसका लाभ बिहार के करोड़ों लोगों तक पहुंचाने की कोशिश में हैं। ऐसे में इंडिया ब्लॉक एक बार फिर विकल्पविहीन बनता दिखाई दे रहा है। पहले देखा जा चुका है कि जनता उसी सत्तारूढ़ सरकार के साथ जाना चाहती है, जिसने मुफ्त वाली योजनाएं लागू की हों। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बीजेपी व झारखंड में जेएमएस सरकार को इसका सीधा लाभ मिल चुका है। इसके बाद भी विपक्ष को लगता है कि युवा फैक्टर उसके लिए टर्निंग पॉइंट बनेगा। इसके अलावा इंडिया ब्लॉक महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने का वादा कर रहा है। साथ ही, उसने नीतीश सरकार के फैसले से दोगुनी, 250 यूनिट बिजली प्री करने का प्रस्ताव रखा है। विपक्षी गठबंधन को यकीन है कि नीतीश कुमार ताबड़तोड़ फैसले को आखिरी समय पर वह काउंटर करने में सफल हो जाएगा। यही कारण है कि इस बार बिहार में सबसे व्यापक और सबसे लंबा प्रचार देखने को मिल रहा है।

वो गाली ही क्या जो दिल तक न पहुंचे

जोड़ता है। गाली का समाजसत्र देखिए— जहाँ तर्क समाप्त हो जाता है, वहाँ से गाली शुरू होती है। बहस में कोई ठोस दलील न मिले, तो आदमी गाली फेंक देता है। यह भाषा का ब्रह्मसत्र है। गाली उस अनपढ़ के हाथ की बंदूक है जिसके पास शब्द कोष नहीं है और उस पढ़े-लिखे की ढाल है जिसे अपनी विद्वता बचानी है। दिलचस्प यह है कि गाली केवल क्रोध से नहीं निकलती, प्रेम से भी निकल सकती है। कोई दोस्त मिलते ही कहता है—“अबे गधे!” और दसरा हँसते-हँसते गले लग जाता है। सोचिए, गाली इतनी लचीली है कि झगड़े में भी चलाई जा सकती है और दुलार में भी। यही उसकी महानता है। समाज में इसे गाली कहकर नीचा दिखाया जाता है, लेकिन असल में यह भाषा की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। गाली का सबसे बड़ा मंच राजनीति है। नेता जब मंच पर खड़े होते हैं तो शेर-ओ-शायरी से जनता नहीं जागती। लेकिन जैसे ही गाली की बौछार होती है, भीड़ में बिजली मिलता है, कोई पशु-पक्षियों की बारात उतार देता है, तो कोई स्त्री-वर्ग को खींच लाता है। गाली में रचनाशीलता की ऐसी विविधता मिलती है कि कवि सम्मेलन भी मात खा जाए। कोई कहेगा—“यह असंस्कृत है।” पर सच मानिए, लोक-संस्कृति का असली रंग वहीं दिखता है। किसान खेत में गाली देकर हल चलाता है, मजदूर गाली देकर बोझ ढोता है और डाइवर गाली देकर ट्रक दौड़ाता है। बिना गाली यह देश आधे घंटे भी नहीं चल सकता।

अब आप कहेंगे—गाली बुरी चीज है। मैं कहता हूँ—नहीं, गाली तो आत्मा की शुद्धि है। सोचिए, आदमी ऑफिस में बॉस की डॉट खाकर घर आता है। पत्नी ने नमक ज्यादा डाल दिया। अब बेचारा क्या करे? अगर गाली न हो तो वह या तो हार्ट अटैक से मर जाएगा या अखबार में कविता लिखने लगेगा। गाली उसे बचाती है। गाली निकालकर आदमी का गुबार बाहर आ जाता है। गाली, मन का वैटेलेशन है। यह भावनाओं का सेफ्टी वाल्व है।



Wolff, W.W.

वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन करने वाले वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन कानून केन्द्र सरकार ने बनाया था। लोकसभा और राज्यसभा से पास होने के पश्चात 5 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति के हस्ताक्षरों के बाद यह कानून देश में लागू हो गया था। 5 अप्रैल मी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में । असदुद्दीन औवैसी, मोहम्मद गोएलबी और अन्य भी इस मामले हुंच गए। 17 अप्रैल को केन्द्र कोर्ट को आश्वासन दिया कि इसी तक 'वक्फ वाई यूजर' या 'सम्पत्तियों को गैर-अधिसूचित । 22 मई को सुप्रीम कोर्ट ने नवाई पूरी कर ली और फैसला था। 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट अपना अंतरिम फैसला दे दिया है कि को क्योंकि कानून पर रोक लगा दे लेकिन यह कि किसी कानून पर अंतरिम लेकर सावधानी बरतनी चाहिए भत्तम मामलों में ही पूरे कानून पर नहीं है। इस फैसले से सरकार और बहुत खुश हैं लेकिन कानून के चेकाकर्ता भी खुश हैं क्योंकि कानून के कुछ प्रावधानों पर रोक नहीं आए तो सुप्रीम कोर्ट ने अपने तों को कुछ खुशी दी है और कुछ याचिकार्ताओं का कहना था कि इलिए 5 साल इस्लाम पालन की जो कि भेदभावपूर्ण प्रावधान है। था कि जमीनों का अतिक्रमण

किया जा रहा है, इसलिए यह प्रावधान किया गया है। अदालत ने फैसला सुनाया है कि जब तक राज्य सरकारें यह तय करने के लिए नियम नहीं बनाती कि कोई व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं, तब तक तत्काल प्रभाव से इस प्रावधान पर रोक रहेगी। इससे याचिकाकर्ता खुश हैं लेकिन सरकार को भी परेशानी नहीं है क्योंकि यह अस्थायी रोक है। राज्य सरकारें कानून बनाकर इसे लागू कर सकती हैं। कानून में प्रावधान था कि कलेक्टर वक्फ संपत्ति का फैसला कर सकता है लेकिन याचिकाकर्ताओं का कहना था कि इससे वक्फ संपत्ति की जमीन सरकारी दर्ज हो जाएगी। सरकार का कहना था कि कलेक्टर केवल प्रारंभिक जांच करता है, अंतिम फैसला दिव्यूनल या कोर्ट का होगा। अदालत ने इस प्रावधान पर रोक लगा दी है और कहा है कि कलेक्टर को नागरिकों के संपत्ति अधिकारों पर फैसला लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती। जब तक दिव्यूनल या अदालत फैसला नहीं दे देते, तब तक वक्फ की संपत्ति का स्वरूप नहीं बदलेगा। याचिकाकर्ताओं की मुख्य मांग यह थी कि जिन वक्फ संपत्तियों का लंबे समय से धार्मिक कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, उन्हें वक्फ संपत्ति घोषित करने का प्रावधान बना रहे वेशक उस संपत्ति के दस्तावेज न हों। इस कानून को 'वक्फ वाई यूजर' कहा जाता है। सरकार ने संशोधित कानून में यह प्रावधान खत्म कर दिया है। अदालत ने भी सरकार की बात मान ली है और 'वक्फ वाई यूजर' लागू करने से मना कर दिया है। इस मामले में अदालत ने याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए आदेश दिया है कि बिना दस्तावेज वाली ऐसी संपत्तियों को, जहां लंबे समय से धार्मिक कार्य चल रहे हैं और उन्हें वक्फों द्वारा काबिज कर लिया गया है, उन संपत्तियों को दिव्यूनल या अदालत द्वारा अंतिम फैसला आने तक न तो वक्फों को संपत्ति से बेदखल किया जाएगा और न ही राजस्व रिकॉर्ड में ऐंट्री प्रभावित होगी। सरकार के लिए परेशानी यह है कि बिना दस्तावेज वाली जिन संपत्तियों को पहले ही

‘वक्फ वाई यूजर’ घोषित करके वक्फों द्वारा कब्जा कर लिया गया है, उन्हें कैसे वापिस लिया जाएगा । सरकार को इस मामले में अदालत से दोबारा विचार करने के लिए कहना होगा । यह ठीक है कि ‘वक्फ वाई यूजर’ बोलकर अब किसी की संपत्ति पर वक्फ बोर्ड नाजायज कब्जा नहीं कर सकता लेकिन जिन संपत्तियों पर कब्जा कर लिया गया है, उनके बारे में भी विचार करने की जरूरत है । हमें याद रखना होगा कि वक्फों द्वारा लाखों एकड़ सरकारी और गैर-सरकारी भूमि इस तरीके से कब्जा कर ली गई हैं ।

नए कानून में प्रावधान किया गया था कि केन्द्रीय वक्फ बोर्ड परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम भी सदस्य बन सकते हैं । याचिकाकर्ताओं का कहना था कि गैर-मुस्लिम बहुमत बनाकर हमारे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर सकते हैं । केन्द्र सरकार का कहना था कि ऐसा नहीं होगा क्योंकि गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या 2-4 तक ही होगी । अदालत ने भी यह बात मान ली है और कहा है कि केन्द्रीय वक्फ परिषद में 22 में से अधिकतम 4 और राज्य वक्फ बोर्डों में 11 में से से अधिकतम 3 सदस्य गैर-मुस्लिम हो सकते हैं । नए कानून में वक्फ बोर्ड के सीईओ का मुस्लिम होना अनिवार्य नहीं है । याचिकाकर्ताओं का कहना था कि सीईओ का मुस्लिम होना अनिवार्य होना चाहिए । अदालत ने याचिकाकर्ताओं की मांग को ठुक्रा दिया है लेकिन कहा है कि जहां तक संभव हो सीईओ मुस्लिम ही होना चाहिए ।

नए कानून में प्रावधान किया गया है कि वक्फ संपत्ति की लिखित रजिस्ट्री व पंजीकरण होना चाहिए जबकि पहले मौखिक रूप से भी किसी संपत्ति को वक्फ घोषित किया जा सकता था । याचिकाकर्ता चाहते थे कि पुराना प्रावधान लागू होना चाहिए और मौखिक वक्फ भी मान्य होना चाहिए । केन्द्र सरकार का कहना था कि इस प्रावधान से वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनेगी और फर्जी वक्फ के मामले रुक जाएंगे । अदालत ने इस मामले में सरकार की बात मान ली है और इस प्रावधान पर

रोक लगाने से इंकार कर दिया है । अदालत का कहना है कि यह प्रावधान 1995 और 2013 के कानून में था और सरकार ने इसे दोबारा लागू किया है । विषक्षी दलों के कुछ नेता अदालत के फैसले से खुश हैं । कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का कहना है कि सरकार ने यह कानून जल्दबाजी में बनाया था, इस पर बहस होती तो यह कानून नहीं बनता । अजीब बात यह है कि इस कानून को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था, जिसके सामने सबको अपनी बात रखने का मौका दिया गया था । देखा जाए तो इस कानून पर लंबी बहस हुई थी । पवन खेड़ा और कितनी बहस चाहते हैं ।

वक्फ बोर्ड बहुत से मुस्लिम देशों में हैं लेकिन ऐसा कानून किसी भी देश में नहीं है । वास्तव में वक्फ बोर्ड सिर्फ वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन का काम करता है, उसका यह काम नहीं है कि वो लोगों की जमीनों पर कब्जा करे । मुस्लिम देशों में वक्फ के पास जमीन दान देने से आती है जबकि भारत में वक्फ बोर्ड के पास जमीन कब्जे से आ रही है । 1995 में कांग्रेस सरकार ने वक्फ कानून में संशोधन करके वक्फ बोर्डों को लैंड माफिया में बदल दिया था । वक्फ बोर्ड सरकारी और गैर-सरकारी जमीनों पर कब्जा करने लगे थे क्योंकि उन्हें वक्फ वाई यूजर का हाथियार मिल गया था । उन्हें किसी की जमीन पर कब्जा करने के लिए किसी कागज की जरूरत नहीं थी । उनका यह मानना ही काफी था कि वो जमीन वक्फ की है । अदालत में भी इस कब्जे को चुनाती नहीं दी जा सकती थी । बेशक नए कानून से ये नाजायज कब्जे बंद हो जाएंगे लेकिन सवाल यह है कि लाखों एकड़ जमीनों पर किए गए कब्जों का क्या होगा ।

ऐसा लग रहा है कि यह कानून अभी भी अधूरा है क्योंकि वक्फ बोर्ड का काम केवल प्रबंधन का है, जो कि मुस्लिम देशों में भी होता है लेकिन हमारे देश के वक्फ बोर्डों के पास कब्जा की गई जमीनें हैं । यह कानून तभी पूरा माना जाएगा, जब कब्जा की गई जमीनें वापिस मिल जाएँगी ।

मोदी का मिशन सीमांचल

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार का सियासी माहौल गरमाया हुआ है। राजनीतिक पार्टीयां मतदाताओं को आकर्षित संभव कोशिश में जुटी हुई हैं। नंदीए फिर से सत्ता पर कविज औ-चोटी का जोर लगाए हुए है, महागठबंधन चुनावी अखाड़े में रहा रहा है। सभी सियासी दलों ध्यान सूखे के सीमांचल इलाके है। चुनावी साल में प्रधानमंत्री हजार करोड़ की परियोजनाओं और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री योजित रैली में कहा कि 11 सरकार ने 4 करोड़ नए घर दिए हैं। हम 3 करोड़ नए घर कर रहे हैं। जब तक हर गरीब हीं मिल जाता है, मोदी रुकने नहीं है। साथ ही पीएम मोदी र के विकास के लिए पूर्णिया विकास जरूरी है। राजद और के कुशासन का बहुत बड़ा को उठाना पड़ा है लेकिन अब स्थिति बदल रही है। प्रधानमंत्री सीमांचल और पूर्वी भारत में इण डेमोग्राफी के कारण कितना हो चुका है। बिहार, बंगाल के लोग अपनी बहनों बेटियों कर चिंतित है। इसलिए भी मैंने की घोषणा की है लेकिन वोट देखिए, कांग्रेस, आजेडी और स्टम के लोग घुसपैठियों की जुटे हैं उन्हें बचाने में लगे हैं। ने मखाना सेक्टर के विकास रकार ने 475 करोड़ रुपए की नूर किया है। बिहार के राजगीर गाया कप जैसा बड़ा आयोजन बेहार रेल इंजन अफ्रीका तक जा रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री दलों पर हमला करते हुए कहा द्योगी पार्टी कांग्रेस अब बिहार ते कर रही है। इन्होंने बिहार की नुकसान पहुंचाया है। इन्होंने करने की ठान ली है। कांग्रेस दो दशकों से बिहार की सत्ता

बाहर हैं और निस्संदेह इसमें सबसे बड़ी बाहर की बिहार की मेरी माताओं और बहनों की बिहार की माताओं और बहनों को विशेष करता हूँ। राजद काल में हत्या, बलात्कार फिरैती जैसे अपराधों की सबसे बड़ी बिहार की मेरी माताएं और बहनें ही रहीं डबल इंजन सरकार में वही महिलाएं विती दीदी और डोन दीदी बन रही हैं। मांचल और पूर्वी भारत में घुसपैठियों का डेमोग्राफी के कारण कितना बड़ा संकट हो चुका है, बिहार, बंगाल, असम कई लोग अपनी बहनों बेटियों की सुरक्षा के लिए चिंतित हैं। इसलिए भी मैंने डेमोग्राफी की घोषणा की है, लेकिन वोट बैंक का देखिए कांग्रेस, आरजेडी और उसके इंको अम के लोग घुसपैठियों की वकालत करने दूर हैं, उन्हें बचाने में लगे हैं और बेशर्मी के विदेश से आए घुसपैठियों के लिए यह नारे रहे हैं। यात्राएं निकाल रहे हैं। यह बिहार देश के संसाधन और सुरक्षा दोनों को दांव लगाना चाहते हैं लेकिन आज पूर्णिया की से मैं इन लोगों को एक बात अच्छी तरह मझाना चाहता हूँ कि यह आरजेडी और की जमात कान खोलकर मेरी बात सुन जो भी घुसपैठिया है, उसे बाहर जाना ही घुसपैठ पर ताला लगाना एनडीए की पक्की दरी है वहीं प्रधानमंत्री की जनसभा में मंच हुंचे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने चार मांग दी। उन्होंने पूर्णिया में हाईकोर्ट बैच, एम्स, बाको को उप राजधानी का दर्जा, मखाना में सटी कम करने की मांग की। वहीं केंद्रीय चिराग पासवान ने कहा कि एक दौड़ हमने जब जंगल राज में माताओं बहनों का लना मुश्किल था। आज ये दौड़ है जहां स की सरकार केंद्र और बिहार दोनों हमारी पार। चिराग ने पीएम मोदी और मुख्य मंत्री रा कुमार का गुणगान किया। बिहार के सीमांचल में चार जिले कटिहार, अररिया और किशनगंज आता है। माना है कि इन जिलों की कुल 24 विधानसभा हर चुनाव में निर्णयिक भूमिका निभाती है। मांचल में भाजपा की राह कभी आसान नहीं है, फिर चाहे लोकसभा का चुनाव हो या नसभा का। सीमांचल में भाजपा अपनी दो के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती है। 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कमार

नेतृत्व में महागठबंधन ने यहां शानदार गर्न किया था, जिसमें राजद को 9, जेडीयू 5 और कांग्रेस को भी 5 सीटें मिली थीं। भाजपा सीमांचल में केवल 5 सीटों तक ही पहुंच गई थी। 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पिछली बार से तीन सीटें ज्यादा जीती भाजपा ने कुल 8 सीटें जीती थीं। इसकी वजह नीतीश कुमार का भाजपा का साथ बताया गया जबकि कांग्रेस को 5, जेडीयू 4, और आरजेडी को 1 सीट मिली थी। ईएमआईएम ने 5 सीटें जीतकर सबको दिया हालांकि बाद में उसके चार विधायक दर्द में शामिल हो गए। एक साल पहले 2024 लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक बंधन को सीमांचल की 4 लोकसभा सीटों में सर्फ अररिया सीट पर ही जीत मिली थी। नगरगंज और कटिहार कांग्रेस के खाते में गई, किंवित पूर्णिया की सीट निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू व ने जीती थी।

सीमांचल क्षेत्र में मुस्लिम वोटों की दिशा ही व का रुख तय करती है। किशनगंज में 68 सदी, अररिया में 43 फीसदी, कटिहार में 45 सदी और पूर्णिया में 39 प्रतिशत मुस्लिम है। क्षेत्र में लंबे समय से कांग्रेस और राजद की बूत पकड़ रही है।

लेकिन, 2020 के चुनाव में ईएमआईएम की एंटी ने समीकरण बदला। औवैसी की पार्टी ने मुस्लिम वोटों का करण किया, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ भाजपा मिला। इस बार भी एआईएमआईएम ने लले लड़ने का संकेत दिया है, जिससे मुस्लिमों का संभावित बंटवारा हो सकता है। यह जित भाजपा और एनडीए के लिए फायदेमंद सकती है। वहीं, प्रशांत किशोर की जनसुराजी भी इस क्षेत्र में अपनी पकड़ बनाने की राश कर रही है, जो महागठबंधन के लिए नई चुनावी बन सकती है। भाजपा जानती है मुस्लिम वोट बैंक उसके पक्ष में नहीं आएगा, लेकिन वह दलितों, अति पिछड़े वर्गों और सी मजदूरों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का गृह नगर किशनगंज है, जिससे पार्टी इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने का संकाय बना रहा है। जेडीयू भी इस जीति का हिस्सा है और एनडीए मिलकर सीमांचल में अपनी स्थिति मजबूत करने का संकाय बना रहा है।

नपाल म राजनात्क भूचाल वैश्विक शक्तियों की बढ़ी दिलचस्पी

25 अगस्त को नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की जबाबदेही तय करने को कहा। इसके बाद 28 अगस्त को सरकार ने सभी प्लेटफार्मों को 3 सितम्बर तक पंजीकरण कराने का आदेश दिया। 28 में से केवल 2 ने इसका पालन किया जबकि 26 ने इनकार कर दिया। सरकार ने 4 सितम्बर को गैर-अनुपालन पर सोशल मीडिया सेवाएँ रोक दीं। यह कदम आम जनता के लिए डिजिटल अधिकार पर प्रहार जैसा साबित हुआ क्योंकि सोशल मीडिया अब दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है। युवाओं, खासकर 14 से 28 वर्ष के रेजन जीर वर्ग ने इस निर्णय के खिलाफ व्यापक आंदोलन छेड़ 176 अरब नेपाली रुपये (लगभग 1.3 बिलियन डॉलर) भेजे, जो जीडीपी का 24% है। देश में उद्योग और निवेश की स्थिति कमज़ेर है। राजनीतिक हस्तक्षेप से शिक्षा प्रभावित है, जिससे छात्र विदेश पलायन कर रहे हैं। वहीं “नेपो किड्स” को ठेके और पद मिलने से जेन जी वर्ग असंतुष्ट है। सरकार ने हिंसा को बाहरी हस्तक्षेप बताया, जबकि प्रदर्शनकारियों ने इसे जनाक्रोश का नतीजा कहा। काठमाडू के मेयर और राजशाही समर्थकों के जुड़ने से हालात और जटिल हो गए। नेपाल भू-राजनीति की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह “जॉन ऑफ़ स्ट्रेटिजिक कॉन्सल्टेशन्स” है अर्थात एक ऐसा भौगोलिक क्षेत्र जहां दो या

51. अमृता

सबसे स्वच्छ शहर का विभिन्न हादसा

इदार के सड़क पर फला खून, हवा में बिखर धूंआ, चारों ओर मची हादाकार और चीत्कार यह दृश्य किसी फिल्म का नहीं त एयरपोर्ट रोड पर हुए हादसे का है जिसने न केवल शहर बून और आग का मंजर छोड़ को हिला कर भी दिया। सड़क जलती हुई गाड़ियाँ और लोगों ने दृश्य बताते हैं कि नंबर वन गाहर सुरक्षा में कितना पिछड़ा बैठे लोग ही नहीं, बाइक सवार वाले भी इस हादसे का शिकार ग ट्रक के नीचे घसीट गए, की लपटों से झुलसते हुए बाहर सका सटीक आंकड़ा किसी के इतना भयावह था कि देखने दें हो गए। नियम स्पष्ट कहते हैं कि से पहले शहर में भारी वाहनों हो सकती। बाबूजूद इसके, क्षेत्र के सामने से ट्रक कैसे ही सीधा सवाल उस व्यवस्था चौकस और जिम्मेदार बताती है। को शराका हादाकर कल आ के खिंच है— सड़क ऐसे सीधे चार की लाला क्या इतना क्य है? से की सवाल

पश में धूत चालकों के खिलाफ अब तक कठोर और ठोस कानून क्यों नहीं है? क्या पीकर गाड़ी चलाना किसी की जान लेने नाइसेंस बन चुका है? ऐसे के बाद निरीक्षणों का दिखावा ऐसे के बाद का दृश्य हमेशा की तरह रहा। कटर पहुंचे, महापौर और मंत्री भी मौके पर पुलिस-प्रशासक और पत्रकारों की फौज निरीक्षण हुआ। बयान दिए गए, फोटो आश्वासन बांटे गए। लेकिन सवाल यही इन दौरों से आखिर बदलता क्या है? क्या नों पर बहा खून वापस आ सकता है? क्या निरीक्षण केवल दिखावे और सुर्खियों तक नहीं रह जाते? लाख का मुआवजा—क्या इतनी ही है जान कीमत? हादसे के बाद परिजनों को चार रुपये मुआवजे की घोषणा हुई। लेकिन किसी इंसान की पूरी ज़िंदगी की कीमत सस्ती है? बच्चों का भविष्य चार लाख में लौट सकता या बूढ़े माँ-बाप की आँखों का सहारा पैसों परीदा जा सकता है? क्या टूटे हुए परिवार गाड़ी का मोल इस रकम से चुकाया जा सकता है? यह रकम इंसाफ नहीं, महज

पचारकता है। ट्रक रात 11 बजे से पहले र की सड़कों पर कैसे दाखिल हुआ? रपोर्ट आना क्षेत्र में यह नियम किसकी आंखों सामने टूटा?

मैं गाड़ी चलाने वालों पर कठोर कार्रवाई नहीं होगी?

सों के बाद निरीक्षण और दौरों से वास्तविक लाव कब होगा?

प्रशासन की जिम्मेदारी सिर्फ सफाई और द्वावे तक सीमित है।

र लगातार स्वच्छता में नंबर वन है। लेकिन रपोर्ट रोड हादसे ने साफ कर दिया कि अचमाती सड़कों और रंगी हुई दीवारों के पीछे क्षा का सच कितना कमज़ार है। शहर तभी तत्व में नंबर वन कहलाएगा जब कानून का नन सख्ती से होगा, जिम्मेदारियां तय होंगी र लोग सड़कों पर सुरक्षित महसूस करेंगे। ना सवाल हमेशा गूंजता रहेगा-

इक पर बिखरी लाशें और चार लाख का बावज़ा... क्या यही है नंबर वन शहर की पली तस्वीर?" शायद जवाब होगा कि-- ही नहीं बहता सड़कों पर इंसानों का लहू, र वन की चमक में दबा जिम्मेदारियों हज़म।

करा" और "सोशल माडिया नहीं, भ्रष्टाचार पर प्रतिबंध लगाओ।" काठमांडू और अन्य शहरों में यह विरोध उग्र हो गया। प्रदर्शनकरियों ने कई ऐतिहासिक और आधुनिक इमारतों को आग लगा दी। स्थिति इतनी गंभीर हुई कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा। ग्लोबल डिजिटल इनसाइट्स की रिपोर्ट के अनुसार नेपाल की 55 प्रतिशत आबादी इंटरनेट का उपयोग करती है और इनमें से आधी सोशल मीडिया पर सक्रिय है। प्रतिबंध से लाखों उपयोगकर्ता प्रभावित हुए। 9 सितम्बर तक यह आंदोलन पूरे देश में फैल गया और पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 प्रदर्शनकरी मारे गए तथा दर्जनों घायल हो गए। नेपाल लंबे समय से भ्रष्टाचार और घोटालों से जूझ रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल पर्तजल योगपीठ भूमि अधिग्रहण विवाद में फंसे हैं जबकि केपी शर्मा ओली पर अपना प्रभाव बढ़ाना चाहत है। नेपाल, जो चीन और भारत के बीच स्थित है, एक ऐसा ही क्षेत्र है, जिसे ब्लॉफर स्टेट इं के रूप में भी देखा जाता है, और इन दोनों देशों के लिए बराबर रणनीतिक महत्व रखता है। भारत की दृष्टि से नेपाल को भारत के साथ होना चाहिए क्योंकि यदि वह तटस्थ रहता है तो वह भारत के हित से और भी खतरनाक है। कौटिल्य के मण्डल सिद्धांत के अनुसार मध्यम राज्य का झुकाव अपनी तरफ होना चाहिए। नेपाल की इसी भू-राजनीतिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए वैश्वक शक्तियां भी वहाँ अपना हित तलाश करने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिका इस कड़ी में सबसे पहले आता है क्योंकि आज ग्लोबल पॉलिटिक्स में अमेरिका को चीन काउंटर कर रहा है और इस कारण नेपाल में अमेरिका की अभिरुचि बढ़ जाती है।

हेलमेट पहनने से गंजे हो रहे लोग ! क्या वाकई इसे पहनना नुकसानदायक है ?

बालों का शहदना ऐसी समस्या है, जिससे हर दूसरा व्यक्ति परेशान है। खारब खाना-पान और बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल की वजह से बालों का शहदना बेहद आम है। इसके साथ-साथ आपने कभी न कभी लोगों के मुंह से ये सुना होगा कि हेलमेट लगाने की वजह से वो गंजेपन का शिकायत हो रहे हैं। पर, क्या ये बात सच है।

सोचकर ही अजीब लगता है न कि जो हेलमेट आपके बालों को बालिश और सिस को चोट लगने से बचता है, वही आपके गंजेपन की वजह बन रहा है।

इसका कोई प्रमाण तो अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन बावजूद इसके हम आपको यहां बताएंगे कि इस बात में कितनी सच्चाई है ? इस सच्चाई को जानने के लिए हेलमेट इस्तेमाल करने के तरीके में बदलाव आए।

दरअसल, ऐसा देखा गया है कि जो लोग ज्यादा हेलमेट का इस्तेमाल करते हैं, धीरे-धीरे उनके बाल शड़ने लगते हैं। लेकिन ये हेयर फॉल हेलमेट की वजह से सीधा नहीं होता। बल्कि



इसके पांछे कई वजह होती हैं। आइए जानते हैं उन वजहों के बारे में।

पश्चीमी और स्कैल्प की गंदगी

यदि आप लगातार हेलमेट को लगाए रखते हैं तो इससे स्कैल्प में पर्सीना जमे लगता है, जिससे बैकलाइन और फैलाइन की परेशानी हो जाती है। इसलिए ऐसे हेलमेट से स्कैल्प को हवा नहीं मिलती, जिससे बालों की जड़ें कमज़ोर हो जाती हैं। इसलिए ऐसे हेलमेट को इस्तेमाल करें, जिससे स्कैल्प को हवा प्रिल सके।

स्कैल्प की गंदगी
जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प को हवा न दिलाना

हेलमेट हमेशा पहनकर रखने

बल्कि समय-समय पर अपने हेलमेट को भी अच्छी तरह से साफ करना चाहिए। गंदा या धूलभरा हेलमेट स्कैल्प पर डैम्फ, खुजली और रैशेज पैदा कर सकता है।

खारब क्वालिटी की पैडिंग

अक्सर हम लोग सस्ते और रोड साइड बिकने वाले हेलमेट को इस्तेमाल रोजाना में करने लगते हैं, जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, नकली हेलमेट में लगी खराब क्वालिटी फोम स्किन को एलेक्ट्रिक एवं इंजेशन दे सकती है। जिससे बाल शड़ने की आशंका बढ़ जाती है।

नहीं बाहरे बाल डाँड़े तो इस्तेमाल की पानी का नहीं सुनता।

बच्चों का ध्यान...

* हेलमेट साफ और अच्छी क्वालिटी का रखें

* यहने से पहले बालों पर कार्टन का साफ़ करें या सॉफ्ट कैप पहनें

* हेलमेट की नियमित सफाई करें

* अच्छा डाइट, नींद और स्कैल्प के बर्चर अपनाएं

* लंबे समय तक बाल शड़ने की समस्या हो तो डॉक्टर से परामर्श ले

से भी हेयर फॉल की दिक्कत आती है। ऐसा माना जाता है कि ज्यादा समय तक टाइट या बंद हेलमेट से स्कैल्प को हवा नहीं मिलती, जिससे बालों की जड़ें कमज़ोर हो जाती हैं। इसलिए ऐसे हेलमेट को हवा प्रिल सके।

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प को हवा न दिलाना

हेलमेट हमेशा पहनकर रखने

से भी हेयर फॉल की दिक्कत आती है। ऐसा माना जाता है कि ज्यादा समय तक टाइट या बंद हेलमेट से स्कैल्प को हवा नहीं मिलती, जिससे बालों की जड़ें कमज़ोर हो जाती हैं। इसलिए ऐसे हेलमेट को हवा प्रिल सके।

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सि�र्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेलमेट लगाते हैं, न बचाते हुए भी उनके स्कैल्प पर गंदगी जम हो जाती है। ऐसे लोगों को न सिर्फ अपने बालों को अच्छी तरह से साफ रखना चाहिए।

स्कैल्प की गंदगी

जो लोग हेल



ॐ

पूर्णमद् पूर्णमिन्द
पूर्णिया पूर्णमुद्यते।

धर्म-दर्शन-ज्योतिष-अध्यात्म

पूर्णस्य पूर्णमाद्याय
पूर्णमिवावशिष्यते।

गुरुवार, 18 सितंबर - 2025 11



पितृ दोष से मुक्ति का अंतिम मौका ! भूल से भी इन 5 कामों को न करें अनदेखा



पितृ दोष के उपाय

इस साल सर्व पितृ अमावस्या 21 सिंतंबर को है। पितृ पक्ष के समय में सर्व पितृ अमावस्या पितरों के श्रावण या पितृ दोष से मुक्ति का अंतिम मौका होता है। उसके बाद यह मौका अगले साल पितृ पक्ष में ही मिलता है। जो लोग अभी तक पितृ दोष से मुक्ति के लिए उपाय नहीं किए हैं, उन लोगों को सर्व पितृ अमावस्या पर कर लेना चाहिए। वर्षांग के अनुसार सर्व पितृ अमावस्या की तिथि 21 सिंतंबर रविवार को 12:16 ए.एम से 22 सिंतंबर सोमवार को 01:23 ए.एम तक है। सर्व पितृ अमावस्या पर पितरों के श्रावण, पिंडदान, आदि के लिए कुतुप मुहूर्त 11 बजकर 50 ए.एम से दोपहर 12 बजकर 38 ए.एम तक रहेगा।

सर्व पितृ अमावस्या: ये 5 काम न करने से पितृ होते हैं नाशन

तर्पण: सर्व पितृ अमावस्या पर स्नान के बाद पितरों के लिए तर्पण करना चाहिए। तर्पण से जो जल पितरों को प्राप्त होता है, उसपे पाकर वे तांत्र होते हैं। सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितर धूती पर होते हैं और जल उनके लिए तर्पण नहीं करते हैं, तो वे नाशन होते हैं। मान्यता है कि पितृ लोक में जल की कमी होती है, इसलिए पितरों को जल से तर्पण देते हैं, उसमें कुशा का उपयोग करना जरूरी होता है।

पंचबलि कर्म: अपने पितरों तक अन्न या भोजन सामग्री पहुंचाने के लिए पंचबलि कर्म करते हैं। इसमें हम सर्व पितृ अमावस्या पर जो भी सांखिक भोजन बनाते हैं, उसका कुछ अंश निकलकर गाय, कौआ, कुरुका आदि को अपित कर देते हैं। इस दिन ब्रात्समों को भोजन करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इससे भोजन पितरों को प्राप्त होता है और वे पाकर तृप्त होते हैं।

दीपक: सर्व पितृ अमावस्या की शाम पितृ पक्ष का समाप्त होता है और पितर अपने लोक वापस जाने लगते हैं। ऐसे में उनके मार्ग में अंधेरा न रहे, इसलिए एक दीपक जलाते हैं।

जल पितरों को नहीं मिलता है।

श्रावण: सर्व पितृ अमावस्या के दिन जात और अजात पितरों का श्रावण होता है। इस दिन आप अपने सभी पितरों के लिए श्रावण कर सकते हैं, जिनकी तिथि भी आपको पता न हो। श्रावण में पितृ दोष को अशुभ माना गया है। मान्यता है कि पितृ दोष की वजह से जीवन में दुर्भाग्य बढ़ने लगता है। ऐसे में अकाल मृत्यु होने पर पितर शांति पूजा करना जरूरी होता है।

पितरों का अपमान, किसी अन्य की हत्या, पीपल, नीम और बरियां के पेंडे काटने, जाने-अनजाने में नाग की हत्या करने से पितृ दोष लगता है।

सर्वों के तेल का एक दीपक घर के बाहर दक्षिण दिशा में रख दें। ऐसा करने से पितर खुश होते हैं और आशीर्वाद देते हैं।

जो लोग सर्व पितृ अमावस्या के दिन ये 5 काम नहीं करते हैं, उनके पितर उन्हें नाशन होते हैं और उनको श्रावण देते हैं। पितृ दोष से मुक्ति के लिए सर्व पितृ अमावस्या पर ये काम जरूर करें।

पितृ दोष क्यों लगता है

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जब मृत्यु के बाद मृतक के अंतिम संस्कार में किसी प्रकार की कोई कमी रह जाती है तो ऐसे में पितृ दोष लगता है।

कहा जाता है कि अकाल मौत हो जाने पर परिवार के सदस्यों को किंच पीड़ियों तक पितृ दोष को अशुभ माना गया है। मान्यता है कि पितृ दोष की वजह से जीवन में दुर्भाग्य बढ़ने लगता है। ऐसे में अकाल मृत्यु होने पर पितर शांति पूजा करना जरूरी होता है।

ज्योतिष शास्त्र की मान्यता के अनुसार, मृत्यु के बाद जब परिजनों का पिंडदान, तर्पण और श्रावण के प्रियों तक पितृ दोष का दंश खेला जाता है। इसके अलावा माता-पिता का अनादर या अपमान करने पर पितृ दोष लगता है।

पितरों का अपमान, किसी अन्य की हत्या, पीपल, नीम और बरियां के पेंडे काटने, जाने-अनजाने में नाग की हत्या करने से पितृ दोष लगता है।

पितृ दोष के उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए पितृ पक्ष में पूर्वों के निमित्त विधि विधान से पिंडदान, तर्पण और श्रावण कर्म किए जाते हैं।

पितृ पक्ष में पूर्वों को भोजन कराए जाते हैं और उन्हें दान दिया जाता है। इसके साथ ही साल की हार एकादशी, चतुर्दशी, अष्टमी और अमावस्या पर पितरों को जल अपित किया जाता है। इसके अलावा विष्णु प्रियों की हत्या भी किए जाते हैं।

पितृ पक्ष में पितृ दोष शांति के लिए रोजाना दोपहर के समय प्राप्ति पीपल की पूजा की जाती है। साथ ही पितरों को प्रसन्न करने के लिए पीपल में गंगा जल में जलते तिल, दूध, अक्षत और फूल का उपलक्ष्य करना चाहिए।

पितृ पक्ष के दौरान रोजाना घर में शाम के समय दक्षिण दिशा में तैल का दीपक लगाएं। माना जाता है कि ऐसा करने से पितृ दोष खत्म हो जाता है।

जल पितरों को नहीं मिलता है।

प्रोपोज के दिन का ब्रह्म मुहूर्त 04:34 ए.एम से 05:21 ए.एम तक है, उसके बाद अधिजीत मुहूर्त दिन में 11 बजकर 50 ए.एम से दोपहर 12 बजकर 39 मिनट तक है।

शुक्र प्रदोष व्रत : सिद्ध योग में होगी शिव पूजा, रात में भद्रा



पितृ दोष के उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मृत्यु के बाद जब जरूर करना चाहिए। पितरों को खुश करने के लिए आप अन्न, सफेद रंग के कपड़े, जल अद्वितीय का दान करें। इन वस्तुओं का दान आप किसी ब्रात्समांग या जरूरत में द्वारा व्यक्ति को अशुभ माना गया है।

पंचबलि कर्म: अपने पितरों तक अन्न या भोजन सामग्री पहुंचाने के लिए पंचबलि कर्म करते हैं। इसमें हम सर्व पितृ अमावस्या पर करना चाहिए। अपने पितरों को जल से धूती पर होते हैं, उनके बाद जब जरूर करना चाहिए।

पितृ पक्ष में पितृ दोष शांति के लिए रोजाना दोपहर के समय प्राप्ति पीपल की पूजा की जाती है। इसके अलावा साथ ही साल की हार एकादशी, चतुर्दशी, अष्टमी और अमावस्या पर पितरों को प्रसन्न करने के लिए पीपल में गंगा जल में जलते तिल, दूध, अक्षत और फूल का उपलक्ष्य करना चाहिए।

पितृ पक्ष के दौरान रोजाना घर में शाम के समय दक्षिण दिशा में तैल का दीपक लगाएं। शुक्र प्रदोष व्रत 19 सिंतंबर पर खत्म होगा। ऐसे में प्रदोष पूजा मुहूर्त और उदयांतिथि के आधार पर शुक्र प्रदोष व्रत 19 सिंतंबर को रात 11 बजकर 36 मिनट पर खत्म होगा। यह तिथि 19 सिंतंबर दिन शुक्रवार को रात 11 बजकर 36 मिनट तक है।

प्रदोष व्रत की रात में 11 बजकर 36 मिनट से भद्रा लगेगी। इस भद्रा का समाप्त 20 सिंतंबर को सुबह 6 बजकर 50 मिनट पर होगा। यह भद्रा पूर्वी पर होगी, जिसकी वजह से इस समय में कोई शुभ काम न करें।

शुक्र प्रदोष पर रात में भद्रा

प्रदोष व्रत की रात में 11 बजकर 36 मिनट से भद्रा लगेगी। इस भद्रा का समाप्त 20 सिंतंबर को सुबह 6 बजकर 50 मिनट पर होगा। यह भद्रा पूर्वी पर होगी, जिसकी वजह से इस समय में कोई शुभ काम न करें।

शुक्र प्रदोष पर होगी शिव पूजा

इस वार शुक्र प्रदोष व्रत के दिन सिद्ध योग और साध्य योग बन रहे हैं। सिद्ध योग शुक्र प्रदोष व्रत को प्रतःकाल से लेकर रात 8 बजकर 41 मिनट तक रहते हैं। उसके अलावा साध्य योग बनेगा, जो अगले दिन तक रहते हैं।

शुक्र प्रदोष व्रत के दिन भावान शिव की पूजा के लिए 2 घंटे 21 मिनट का समय प्राप्त होता है। शुक्र प्रदोष व्रत 20 बजकर 43 मिनट से दोपहर 12 बजकर 15 मिनट तक है। इस समय में आप काल सर्व पितृ प्रसन्न के लिए उपाय कर सकते हैं।

प्रदोष व्रत का महत्व

प्रदोष व्रत के दोपहर के दोपहर को दूर करने वाला होता है। प्रदोष व्रत में शिव पूजा करने से व्यक्ति के काट्टे मिटते हैं। शिव कृपा से आरोग्य, धन, सुख, समृद्धि की प्राप्ति होती है।

माता दुर्गा का बहुत प्रिय है गुड़हल का लाल फूल



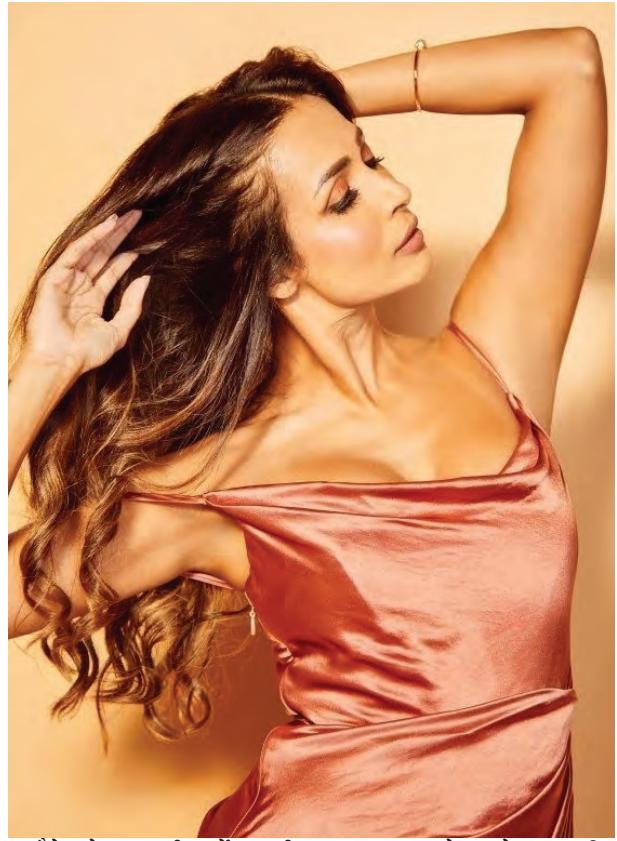
साल भर में कल चार बार नवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है। इन दो दिनों दो गुण नवरात्रि और एक चैत्र नवरात्रि और एक शारदीय नवरात्रि सर्वसे धूमधाम से मनाई जाती है। भक्त घरों, मंदिरों या पूजा पड़ालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करते हैं और एक दूसरी पूजा के लिए तिर्यक

'कपड़ों से लेकर रिश्तों तक पर मुझे ट्रोल किया गया' मलाइका ने बताया कैसे आलोचनाओं का किया सामना

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपने हॉट अंदाज और डांस नंबर्स के अलावा अपनी बेबाकी को लेकर भी जानी जाती है। मलाइका अपनी पर्सनल लाइफ, अपनी रिलैशनशिप और फैशन के मुद्दों पर खुलकर राय रखती है। अब वार फिर मलाइका ने बताया कि कैसे यो ट्रोलिंग का सामना करती हैं किस तरह से ये आलोचनाएं, उन्हें और मजबूत बनने व जीवन में आगे बढ़ने में मदद करती हैं।

वही कहानी गाने रखती है, जो आप खुद के लिए लिखते हैं

बातचीत के दौरान मलाइका ने बताया कि यह मुकिला था क्योंकि लोग आपको यह बताना पसंद करते हैं कि आपको क्या होना चाहिए और क्या नहीं। मुझे मेरे करियर, मेरे कपड़ों, मेरे रिश्तों हर चीज के लिए आंखें गया। लेकिन जिस दून में खुद को समझाना बंद कर दिया, उसी दिन मुझे आजादी का एहसास हुआ। मेरी सबसे बड़ी सीख है कि सिर्फ वही कहानी मानने रखती है जो आप खुद के लिए लिखते हैं।



मैंने हमेशा अपनी शर्तों पर जी उन्होंने हमेशा जिंदगी अपनी शर्तों पर जी है जिंदगी

पर जी है, चाहे वह फैशन हो, फिटनेस हो या जिन्हीं फैसले। मेरा मानना है कि असली आत्मविश्वास खुद के प्रति इमानदार रहने से आता है, लेकिन हाँ, आनं-सेंदै स्वाभाविक है। मेरे लिए आत्मविश्वास का मतलब कठाइयों के बावजूद शालीनां से आगे बढ़ना है।

अब रिश्तों को लेकर सुनिखियों में रहती हैं गलाइका

मलाइका अक्सर अपने रिश्तों को लेकर सुनिखियों में रहती है। 2017 में अबाज खान से अपनी शादी दूर नहीं है अभिनेत्री अर्जुन कपूर के साथ रिश्तों को लेकर काफी चर्चाओं में रहीं।

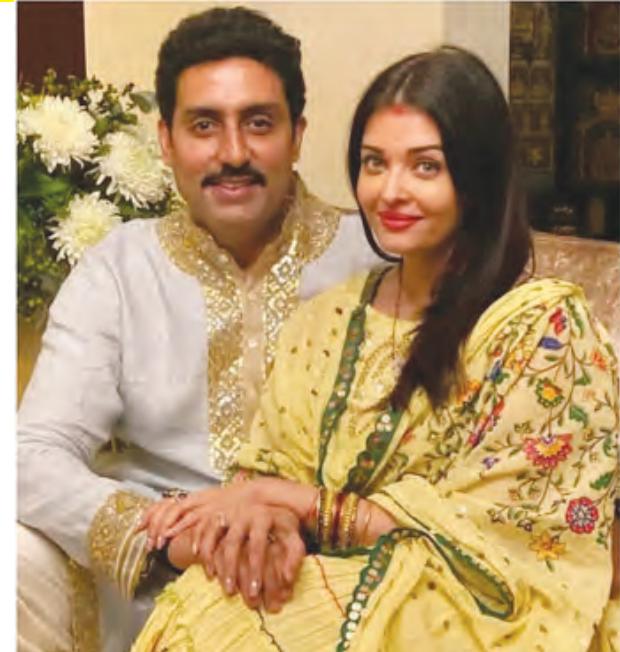
दोनों ने कुछ साल तक एक-दूसरे को डेट किया, लेकिन पिछले साल कथित तौर पर उनका ब्रेकअप हो गया। अपने पूरे रिश्ते के दौरान, उन्हें उम्र के फासले को लेकर लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। हालांकि, मलाइका बेबाक रहीं, उन्होंने खुलकर अर्जुन के प्रति अपने प्यार का इजहार किया और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती रहीं।

मलाइका ने आगे कहा कि उन्होंने हमेशा जिंदगी अपनी शर्तों पर जी रहता है और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती रहीं।

'वो घर की बहू है', ऐश्वर्या-अभिषेक के तलाक पर बोले प्रह्लाद, कहा- ऐश ने हमेशा मर्यादा रखी

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के तलाक की खबरें अक्सर एंटरटेनमेंट की गलियों में खूबी रहती हैं। कई बार ऐसी खबरें आईं कि दोनों की शादी में सबकुछ ठीक नहीं रह रहा है और ऐश्वर्या अपनी मां के साथ रहती है। हालांकि, अभिषेक या ऐश्वर्या ने इन पर कभी कोई खास तरजीन नहीं दिया। इन चर्चाओं के बीच दोनों ने कई मौकों पर एक साथ नज़र आकर सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया। अब ऐसे युग प्रह्लाद कवकड़ ने ऐश्वर्या और अभिषेक की शादी, तलाक और जया बच्चन से ऐश्वर्या के रिश्ते पर बात की है।

अपनी मां के काफी करीब हैं ऐश्वर्या



जानता हूं कि बिल्डिंग में ऐश्वर्या कितना बक्त बिताती है। वह अपनी मां के घर आती हैं क्योंकि उनकी तबीयत नहीं ठीक है। विक्री लालवानी के साथ बातचीत के दौरान प्रह्लाद ने बताया कि मैं ऐश्वर्या साथ की मां बूदा साथ की बिल्डिंग में रहता हूं और आजाती हैं उनके साथ बक्त बिताती हैं। उनके साथ बक्त बिताती हैं। वो कभी इन पर कभी कोई प्रतिक्रिया देगे भी नहीं। तुम्हें जो कहना है कहते रहो। ऐश्वर्या ने हमेशा अपनी मर्यादा रखी और लोगों को इसी बजह से उन्हें चिढ़ होती है।

अली भी घर चलाती हैं ऐश्वर्या प्रह्लाद कवकड़ से पूछा गया कि

फिल्म 'ड्रैगन' के लिए जूनियर एनटीआर ने किया गजब का ट्रांसफॉर्मेशन



परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता है और अब 'ड्रैगन' के लिए भी दिन-रात एक कर रहे हैं। बड़े ट्रैक्ल पर बन रही फिल्म

ड्रैगन की लोड एक्ट्रेस के रूप में रुकियां वास्तव नजर नजर आयी हैं। उन्होंने 41 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं।

अपने सालों के करियर में उन्होंने अपने ट्रैलर्स के बीच आकर्षित की है।

प्रियंका चोपड़ा की नेटवर्क 583 करोड़ रुपये हैं।

निक जोनस की नेटवर्क तीन हैं?

निक जोनस पॉपुलर सिंगर होने के साथ-साथ एक एक्टर भी हैं।

उन्होंने सात साल की उम्र में ब्रॉडवे पर एकिंग करनी शुरू की थी।

निक जोनस अपने बड़े भाईयों के बीच काफी फासला है। आइन जोनस हैं कि प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस में कोई निक जोनस की जोड़ी की शुरूआत नहीं है।

प्रियंका चोपड़ा की पास कितनी है?

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की जोड़ी के बारे में क्या जानते हैं?

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

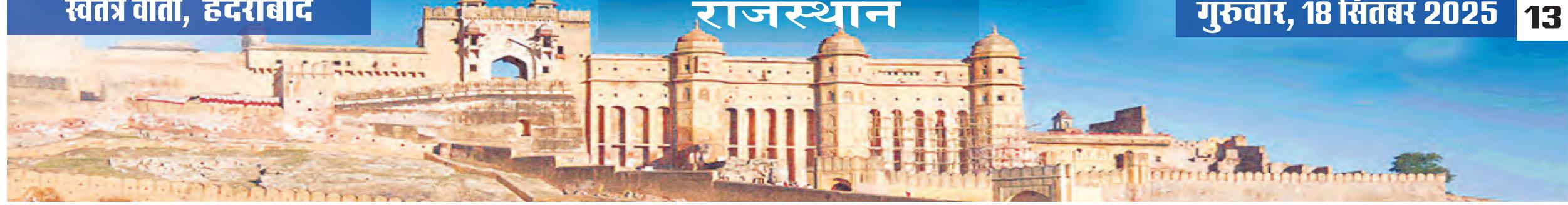
प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी की थी। इसके बाद प्रियंका और निक ने 2022 में सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मेरी का वेलकम किया था।

प्रियंका चोपड़ा ने 2003 की फिल्म 'द हीरो' में चरित्रियों के साथ शादी



सदन में कैमरा विवाद पर बोले जोगाराम- बेबुनियाद बयानबाजी कर रहा विपक्ष, प्राइवेसी का सवाल ही नहीं

जयपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान विधानसभा में अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने को लेकर सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। महिला कांग्रेस विधायकों ने इस मुद्दे को निजता हनन और लोकसंघ मूल्यों के हमला बताया है। वहाँ प्रदेश सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि विधानसभा में प्राइवेसी जैसी कोई बात नहीं है।

अनुपगढ़ और भोपालगढ़ से विधायक गीता बरवड़ ने आरोप लगाया था कि सदन में यह एक पेन भी गिरता है तो उसकी आवाज रिकॉर्ड हो जाती है।

महिला विधायकों का कहना है कि ये कैमरे केवल कार्रवाई की रिकॉर्डिंग तक सीमित नहीं आने देता



अध्यक्ष के रेस्टर रूम तक जाती है, जहाँ मंत्री और वीजेपी विधायक मौजूद रहते हैं। शिमला नायक ने यहाँ तक आरोप लगाया कि सदन में यह एक पेन भी गिरता है तो उसकी आवाज रिकॉर्ड हो जाती है।

महिला विधायकों का कहना है कि ये कैमरे केवल कार्रवाई की रिकॉर्डिंग तक सीमित नहीं आने देता

चाहती।

मंत्री जोगाराम पटेल ने इन बातों को लेकर कहा है कि विधानसभा का हर हिस्सा सार्वजनिक है। वहाँ पक्ष-विपक्ष की लोगों, मौड़िया गैलरी और विजिटर्स गैलरी सभी के लिए खुले रहते हैं। ऐसे में प्राइवेसी के लिए खुले रहते हैं। उन्होंने विधायकों पर बेबुनियाद बयानबाजी करने का आरोप लगाया और कहा कि यह मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ के लिए उड़ाता जा रहा है।

विधायक निजी बातों को केवल करते हैं। उन्होंने इसे महिला नायक ने यहाँ तक आरोप लगाया कि सदन में महिलाओं की सुक्ष्मा और सम्मान सुनिश्चित करना सरकार और स्पीकर की जिम्मेदारी है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार इस मुद्दे पर लोगोंपाते कर रही है और सच सामने नहीं आने देता

बीती बातों पर फिर आमने-सामने भाजपा और कांग्रेस गहलोत के झूठे मुकदमों पर राठौड़ का हमला

जयपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान की राजनीति में 2020 के सियासी घटनाक्रम को लेकर एक बार फिर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस सरकार पर निर्दोष भाजपा कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज करने का आरोप लगाया है, वहाँ केंद्रीय मंत्री गोविंदसिंह शेखावत ने यही गहलोत सरकार को एजेंसियों के दुरुपयोग के लिए कटरे में खड़ा किया दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए पलतवार किया और शेखावत को बैठक सैंपल देने की चुनौती दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा विवादी भरत मालानी और उदयपुर विवासी अशोक गहलोत को बरी करना इस बात का प्रमाण है कि कांग्रेस सरकार ने 2020 में एसओआई और एसीबी का दुरुपयोग कर झूठे मुकदमे दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि निर्दोष व्यक्तियों को जेल में डालकर जिससे शावित हो गया है कि कांग्रेस ने बाहर से झूठे मुकदमे दर्ज करवाया। उन्होंने कहा कि सत्य का दबावा जा सकता है, पर समाप्त प्रतिक्रिया के दौरान पटेल ने एसीबी और सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है, इंडी-आई की आपेक्षाएँ सबके सामने हैं। गहलोत ने शेखावत पर आरोप लगाया कि वे इस पायलट के साथ भाजपा नेताओं ने 2020 में सचिन पायलट के साथ मिलकर गहलोत को बैठक सैंपल देने की चुनौती दी।

भाजपा वार्ता के दौरान पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की भूमिका सुरक्षा हांची की शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सेवा प्रबद्धाद्वा अभियान का शुरुआत हुआ है, जो 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। सीएम ने सुवर्ण स्वच्छता ही सेवावाल कार्यक्रम के तहत मानसरोवर स्थिर सिटी पार्क में ज्ञान लगार के प्राइवेट को और परिसर के प्राइवेट को किया। इसके बाद सीएम ने सारनगर जयपुर से सड़क पर एक थड़ी पर चाय बना कर सभी को वितरित की। इस अवसर पर वीजेपी



कि गहलोत ने अपने बोटे की हार का बदला लेने के लिए किसानों के हित में बनने वाले प्रोजेक्ट को अटका दिया। इधर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी शेखावत और भाजपा पर पलतवार करते हुए कहा कि यदि शेखावत इतने ही इमादार हो तो उन्हें आंडोये टेप मामले में वॉइस सैंपल देने से क्यों डर लगता है। गहलोत ने शेखावत मीडिया पर निया कि भाजपा नेताओं ने 2020 में सचिन पायलट के साथ मिलकर सरकार गिराने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि 30 विधायकों को तोड़ने की साजिश, मानसरोवर ले जाए गए पायलट के साथ मिलकर सरकार गिराने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस को आने वाले चुनावों में सचिन पायलट के साथ मिलकर गहलोत ने जोधपुर में विधायकों की साजिश, मानसरोवर ले जाए गए एसीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है, इंडी-आई की आपेक्षाएँ सबके सामने हैं। गहलोत ने शेखावत पर आरोप लगाया कि वे इस पायलट के साथ मिलकर नहीं हो सकते।

इस तरह तीनों नेताओं के बायान एक बार फिर राजस्थान की राजनीति को गरमाने वाले सांकेतिक भरत मालानी और उदयपुर विवासी अशोक गहलोत ने गहलोत ने जोधपुर में एसीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है, इंडी-आई की आपेक्षाएँ सबके सामने हैं। गहलोत ने शेखावत पर आरोप लगाया कि वे इस पायलट को गत जारी नहीं रद्द करा दिया। जारी रखने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि एसीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है, इंडी-आई की आपेक्षाएँ सबके सामने हैं। गहलोत ने शेखावत पर आरोप लगाया कि वे इस पायलट को गत जारी नहीं रद्द करा दिया।

पदमपुरा में दीया कुमारी ने कांग्रेस पर साधा निशाना बोलीं- सिर्फ कुर्सी बचाने में लगी रही सरकार

करौली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश की उम्रुक्तमंत्री दीया कुमारी रविवार को जिले के दौरं पर रही है। उन्होंने पदमपुरा गांव में नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गूर्जर, सोनपुर विधायक हंसराज बालाता, दीपारा विधायक दीपमोहन मांझी, करौली-धौलपुर प्रयासी इंदु देवी, जाटव, जिल अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन सहित प्रशासनिक अधिकारी और असीम ऊरेन ने एसीबीआई और एसीबी की विधायिक दर्शन रखा।

पूर्व सीएम वसंधरा राजे सहित कई विरष्ट नेताओं ने भी दीवांगी से बोली दीवांगी को बैठक कर शुभकामनाएँ प्रसिद्ध की।



में व्यस्त रही और सिर्फ दो साल बाद ही होटल में जाकर बैठ गई थी, जबकि भाजपा सरकार जनता के बीच रहकर विकास को गति दे रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने गांव-गांव तक उपमुख्यमंत्री और असीम ऊरेन की प्राथमिक दर्शन रखा।

समरोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर दीवांगी से बोला।

दीया कुमारी ने बताया कि करौली जिले में इस समय करिब

2225 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएँ चल रही हैं, जिनमें सड़क, सांच, शिक्षा और पेयजल से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल सत्ता में बने रहना नहीं, बल्कि जनता की सेवा और विकास करना है।

पदमपुरा में बने नए गांवों के द्वारा विवादी गहलोन जालाता, दीपारा विधायक हंसराज बालाता, दीपमोहन मांझी, करौली-धौलपुर प्रयासी इंदु देवी जाटव, जिल अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन सहित प्रशासनिक अधिकारी और असीम ऊरेन की प्राथमिक।

पूर्व सीएम वसंधरा राजे सहित कई विरष्ट नेताओं ने भी दीवांगी से बोली दीवांगी को बैठक कर शुभकामनाएँ प्रसिद्ध की। इंडी-आई की आपेक्षाएँ सबके सामने हैं। गहलोत ने शेखावत पर आरोप लगाया कि वे इस पायलट के साथ मिलकर सरकार सत्ता बचाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि एसीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है, इंडी-आई की आपेक्षाएँ सबके सामने हैं।

इंडी की छापेमारी से शहर में मचा हड्कंप मनी लॉट्रां में दो बर्गों पर रेड बोलीने की विधायिक दर्शन रखा। जिले के दीपमोहन मांझी, एसीबीआई की विधायिक दर्शन रखा। जिले के दीपमोहन मांझी, एसीबीआई की विधायिक दर्शन रखा। जिले के दीपमोहन मांझी, एसीबीआई की विधायिक दर्शन रखा।

मनी लॉट्रां में दो बर्गों पर रेड बोलीने की विधायिक दर्शन रखा। जिले के दीपमोहन मांझी, एसीबीआई की विधायिक दर्शन रखा। जिले के दीपमोहन मांझी, एसीबीआई की विधायिक दर्शन रखा।

मनी लॉट्रां में दो बर्गों पर रेड बोलीने की विधायिक दर्शन रखा। जिले के दीपमोहन मांझी, एसीबीआई की विधायिक दर्शन रखा। जिले के दीपमोहन मांझी, एसीबीआई की विधायिक दर्शन रखा।

मनी लॉट्रां में दो बर्गों पर रेड बोलीने की विधायिक दर्शन रखा। जिले के दीपम

मीराबाई ने मंदिर की मूरत से भगवान की सूरत तक की यात्रा की: साध्वी आस्था भारती



हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) श्रीकृष्ण कथा के चतुर्थ हमारे परम वैज्ञानिक क्रियान्वयने ने भी दिवस दिव्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी आस्था भारती की यात्रा की गया सुनाई। मीराबाई केलव कृष्ण को मानने तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने कृष्ण को जना भी। मंदिर की मूरत से भगवान की सूरत तक की यात्रा करते हुए उन्होंने अपनी भक्तियात्रा को पूर्ण किया। पायो जी मैंने राम रत्न धन पायो गाते हुए कृष्ण भक्ति का प्रवार-प्रसार किया।

इंधर कोई कल्पना नहीं, वह तो विशुद्ध विज्ञान है। इंधर विज्ञानों का विज्ञान है। एक वैज्ञानिक पहले प्रयोग करता है, भविष्य में दर्शन को आधारित रूप देता है। भविष्य में विज्ञान के विद्यार्थी उस सिद्धांत को पढ़कर प्रयोगशाला में उसका

प्रयोगात्मक परीक्षण करते हैं। इसी सत्य को शाश्वत-ग्रंथों में उद्धृत किया। हमारे दादा-आस्था भक्ति की गया सुनाई। मीराबाई के लिए एक अत्यधिक उत्तराधिकारी है। परन्तु हम उन्हें तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने कृष्ण को जना भी। मंदिर की मूरत से भगवान की सूरत तक की यात्रा करते हुए उन्होंने अपनी भक्तियात्रा को पूर्ण किया। पायो जी मैंने राम रत्न धन पायो गाते हुए कृष्ण भक्ति का प्रवार-प्रसार किया।

धर्म के लिए दो प्रकार हैं उत्तराधिकारी हैं। उत्तराधिकारी है।

तर्क-विवरक तथा अन्य कोई वस्तु नहीं, प्रत्यक्ष अनुभव ही धर्म है। यही हमारे विश्वास को पर्वत के समान ढह बना सकता है।

सम्प्रदाय के चैरेनर आश्रम से पधारे आशुतोष महाराज जी के शिष्य स्वामी प्रदीपनंद ने बताया कि कल भक्त नामदेव जी का नाम संकीर्तन व पंडपुरों में दही-हाँडी उत्तराधिकार का प्रसारण जी के मुख्यविद्वान से प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में पथाकर प्रभु महिमा श्रवण करने का अप्राप्ति किया।

कार्यक्रम में साध्वी भावना भारती, साध्वी साक्षी भारती के साथ मुख्य यजमान बगदाराम सम्प्रदाय, दैनिक यजमान सुदेश गणिकार, दर्शन राम पुरुष, उत्तराधिकारी दर्शन यजमान श्रीमती सुधाया जोड़वे, मुख्य अतिथि कैलाश

नारायण भांगड़िया, राजगोपाल करवा, गोविंद जानु, नारायण दास झावर, गोविंद राम झावर, कृष्ण कुमार संगी, सुनील तोलाला, पीठालाल प्रजापाल, रखनाश साराडा, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती शुक्लाना नावंदर, श्रीमती मंजू लाहांटी, श्रीमती लीला बजाज, मराठा समाज (रामबाबा, अन्तर्माल), मदन जाधव, सुरेश कुमार सूर्यवर्णी, मासृत यज गायवकावड, मनोहर काकर, सुभाष माणे, सोपान जाधव, बाबुराव, दशाथ कटम, एकनाथ पाटिल, विनायक यज बांबडे एवं अन्य गणपत्य अतिथियां उपस्थित हैं।

कथा का समाप्त प्रभु का पावन अराधी से किया गया। तदुपरांत प्रसाद वितरण किया गए की प्रगति के लिए समर्पित है।

ज़हीराबाद में लंगरों के हमले से लोग परेशान

हैदराबाद, 17 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भड़के लंगरों के छंड ने आठ-

दस कालानियों में हमला कर कई लोगों को गंभीर रूप से घायल किया। शान्ति नार, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, संतोषी मान मंदिर कॉलोनी, बागेडी कॉलोनी और गांधी नगर सहित असापस के इलाकों में दर्जनों हमले हुए। निवासियों की शिक्षा पर विद्यार्थी अधिकारी ने नार आयुक, बन क्षेत्र अधिकारी और अन्य अधिकारियों को जापन की दिशा में भाग लेते रहे। जिला बन अधिकारी सीएच श्रीधर यादव ने कालानियों का निरीक्षण किया, लेकिन लोगों का कहना है कि अधिकारियों की ओर से कोई ठोस आशासन नहीं मिला।

निष्णवक के रूप में जौनूद केन्द्र के लिए एक अधिकारी को जीवन में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता देखा, देता स्मार्टफोन, स्वर्द्धी तकनीक से आत्मनिर्भरता की ओर आयोजन किया गया। इसमें भारत, शिक्षा में मानवाभास का महत्व, जो खेलेगा वो खिलेगा कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने

भारतीय भाषाओं को जोड़ती हैं। आधुनिक दौर में दूरता द

सूर्यकुमार यादव का एसीसी को बड़ा मैसेज! फाइनल को लेकर रख दी शर्त



दुबई, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम कप के फाइनल में जाने की बड़ी दावेदार मानी जा रही है। अब सूर्यकुमार यादव को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। उन्होंने खिलाफ के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी स्वीकार नहीं करेंगे।

टीम इंडिया ने 14 सितंबर

2025 को पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर ली। उन्होंने कप के बाद याक खिलाड़ियों से शायद नहीं मिलाया। इसके बाद एसीसी को बॉर्निंग दे दी है कि वो जीते, तो मोहसिन से ट्रॉफी नहीं लेंगे।

सूर्यकुमार यादव का एसीसी को मैसेज मोहसिन नकवी सिर्फ पीसीबी ही नहीं, बल्कि एशियन क्रिकेट अंतर्राष्ट्रीय के बात में भी प्रेसिडेंट है। एशिया कप के विजेता को वो ही ट्रॉफी प्रेजेंस करेंगे। कुछ दिनों से इस बात पर चर्चा हो रही थी कि अगर टीम इंडिया एशिया कप जीत गई, तो शायद वो मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। अब एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक

वेजिट करने के लिए तैयारी कर ली है। फाइनल को लेकर उन्होंने एसीसी को बॉर्निंग दे दी है कि वो जीते, तो मोहसिन से ट्रॉफी नहीं लेंगे।

प्र०

पाकिस्तान ने एशिया कप से नाम वापस लेने की दे दी थी धमकी

प्र०

एशिया कप 2025 में नो हैंडशेक विवाद के बाद पाकिस्तान ने मैच फेरफी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी। उन्होंने खिलाफ कर दिया था कि अगर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने उनकी बात नहीं मानी तो वो ट्रॉफी में से अपना नाम वापस ले लेंगे। आईसीसी ने एंडी को ट्रॉफी में से नहीं हटाया। खबरों के अनुसार उन्होंने ये फैसला किया है कि वो पाकिस्तान के मैचों में रेफरी नहीं बनेंगे। याक टीम अब ट्रॉफी में खेलेंगे लेकिन उनके सामने एक बड़ा चैलेंज है।

बॉसीसीआई ने पिछले महीने

सात्विक-चिराग की जोड़ी चाइना मास्टर्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य सेन बाहर, पिछले हफ्ते हॉन्ग कॉन ओपन में रनर-अप रहे थे



शेजेन एरिना, 17 सितंबर (एजेंसियां)। सात्विक साइराज रंकिंगें और चिराग शेजी ने चीन मास्टर्स बैडमिंटन ट्रॉफी में मेस डबल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

हालांकि, मेस सिंगल्स में लक्ष्य सेन पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए।

सात्विक-चिराग ने मलेशियाई जोड़ी को सीधे गेम में हराया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मलेशिया के जूनीटी एफी और रॉय किंग याप को सीधे गेम में 24-22, 21-13 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। यह मुकाबला 42 मिनट तक चला।

पहला गेम काफी रोमांचक रहा, जिसमें स्कोर अंत तक वरावरी पर था, लेकिन भारतीय जोड़ी ने

एशियकर 21 मिनट में इसे 24-22 से जीत लिया।

दूसरे गेम में सात्विक-चिराग ने शुरूआत में बढ़त बनाई। मलेशियाई जोड़ी ने 5-5 से बराबरी की कोशिश की, लेकिन बराबरी खिलाड़ियों ने 11-6 की बढ़त लेते हुए याप को 21-13 से अपने नाम कर लिया।

लक्ष्य सेन पहले ही राउंड में बाहर

हॉन्गकॉन ओपन के रनर-अप रहे लक्ष्य सेन को मेस सिंगल्स में हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य को फ्रांस के तोमा जूनियर पोयेपे ने 11-21, 10-21 से हराया। यह मुकाबला सिर्फ 30 मिनट तक चला। लक्ष्य की हार के साथ ही भारत का मेस सिंगल्स में सफर खत्म हो गया। इससे पहले आयुष

शेटटी भी पहले राउंड में हार गए थे।

वहां, मिक्स्ड डबल्स में भी भारत को निराशा मिली। ध्वनि कपिल और तनिश कास्टो की जोड़ी को दूसरी वरीयत प्राप्त चीन के गेंग यां जीत छोड़ दी गयी।

21-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पी.वी.सिंधु भी प्री-क्वार्टर

फाइनल में पहुंच गई है। विमेस सिंगल्स में पी.वी.सिंधु ने सोमावर को अपने पहले राउंड के मलेशियाई जोड़ी ने 88.17 मीटर द्वारा चैपियनशिप में हुई वर्ल्ड डिफेंडिंग ऑलिंपिक की चौथी पदक जीता। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 84.85 मीटर का भाला फेंका।

भारत के रोहित यादव और सचिन यादव भी हिस्सा ले रहे हैं।

नीरज डिफेंडिंग वर्ल्ड चैपियन है। उन्होंने 2023 में हार्गार में हुई वर्ल्ड चैपियनशिप में 88.17 मीटर द्वारा साथ गोल्ड जीता। वहां, अरशद डिफेंडिंग ऑलिंपिक चौथी पदक है। उन्होंने पेरिस ओलिंपिक के बाद पहली बार एक चौथी पदक जीता। उन्होंने पेरिस ओलिंपिक में 92.97 मीटर द्वारा को साथ गोल्ड जीता था। तब नीरज ने सिल्वर जीता था।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित तेजनारायण चंद्रपॉल और एलिक एथनाज की वापसी; सीरीज 2 अक्टूबर से



खेल डेस्क, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपनी टीम घोषित की। तेजनारायण चंद्रपॉल और एथनाज एथनाज की वापसी की जानी जाती है। सीरीज 2 अक्टूबर से शुरू होगी। अहमदाबाद और नई दिल्ली में दोनों मुकाबले खेले जाएंगे।

7 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज खेलने वाले ही राउंड भारत में टेस्ट सीरीज खेलने के लिए आ रही है। टीम ने 2018 में अखिरी सीरीज 2-0 से गंवायी थी। यह सीरीज मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैपियनशिप साइकिल में भारत की पहली होम सीरीज है, वहां वेस्टइंडीज की घर से बाहर पहली सीरीज।

7 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज

खेलने वाले ही राउंड भारत में टेस्ट सीरीज खेलने के लिए आ रही है। टीम ने 2018 में अखिरी सीरीज 2-0 से गंवायी थी। यह सीरीज मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैपियनशिप में उन्होंने महज 13.56 की औसत से 41 विकेट लिए थे।

डेरेन सेमी बोले- भारत में खेलना बड़ा भारत के लिए लेपट आप है। वेस्टइंडीज की टीम को यहां वेस्टइंडीज टीम को कपानी करेंगे।

स्मिन डिपार्टमेंट को मजबूत किया

वेस्टइंडीज के स्कॉर्ट में बल्लेबाल चंद्रपॉल और एथनाज की वापसी हुई। वहां 10 अक्टूबर से नई दिल्ली में दूसरी मुकाबला खेला जाएगा। सीरीज के लिए भारत का स्कॉर्ट 23 सितंबर तक रिलीज किया गया। एथनाज चंद्रपॉल के लिए वेस्टइंडीज चैपियनशिप में उन्होंने महज 13.56 की औसत से 41 विकेट लिए थे।

डेरेन सेमी बोले- भारत में खेलना बड़ा

हार्दिक पांड्या से हूब्हू मिलती है इस डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार की शक्ति, फैस कर चुके हैं तुलना

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट हार्दिक पांड्या के दुनियाभर में

चाहने वाले हैं। एक ऐसा डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार भी है जो उनके जैसा दिखाना है। कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर इनकी तरवीरों खेल वायरल हुई थीं। आइए आपको इसके बारे में बताते हैं, एशिया कप 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम ने अभी तक जगबक तो प्रदर्शन किया है, यूरोपी और पाकिस्तान के फ्रेंचिस चंद्रपॉल और एथनाज एथनाज की वापसी हुई। वहां भारत की वापसी के लिए लेपट आप हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी गदा दूर है। खासकर अपनी बल्लेबाली की वापसी हो गई है। खैर एक फ्रेंचिस डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार है जिसकी तुलना पांड्या से अक्सर की जाती है। दोनों की शक्ति हूब्हू मिलती है। इनको पहली वापसी की घोषित की जाती है।

वारुदा फाल्केस का इस सीजन में सफर समाप्त हो गया।

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्केस का सफर हुआ

दुनियाभर में नई दिल्ली के लिए आपको घोषित की जीत है।

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्केस का सफर हुआ

दुनियाभर में नई दिल्ली के लिए आपको घोषित की जीत है।

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्केस का सफर हुआ

दुनियाभर में नई दिल्ली के लिए आपको घोषित की जीत है।

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्केस का सफर हुआ

दुनियाभर में नई दिल्ली के लिए आपको घोषित की जीत है।

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्केस का सफर हुआ

दुनियाभर में नई दिल्ली के लिए आपको घोषित की जीत है।

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्केस का सफर हुआ

दुनियाभर में नई दिल्ली के लिए आपको घोषित की

